अगस्त 2018 केरल में भयंकर बाढ़ के कारण अनेकों लोगों को अपना घर छोड़कर कर एक जगह से दूसरी जगह की ओर जाना पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए उनमें से ही एक था आनंदम। जो केरल के कुट्टनाड गांव का रहने वाला था। अचानक आयी आपदा के कारण आनंदम और उसके परिवार को अपनी जान बचाने के लिए उस स्थान को छोड़ कर दूसरी जगह जाना पड़ा। इन सब में उनका सब कुछ नष्ट हो गया।

आनंदम को अपने परिवार को संभालने के लिए और नए सिरे से शुरुआत करने के लिए काम की जरूरत थी। जिसे वह अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें और एक नयी शुरुआत भी। इसके लिए उसको अपने दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड और अपने शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेजों की आश्यकता थी लेकिन अचानक आयीं आपदा में अपने परिवार को ही संभाल सकता था और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में सफल भी रहा बस अपने दस्तावेजों को नहीं बचा पाया जो बाढ़ जैसी भयानक आपदा में नष्ट हो चुके थे।

उसके पास ऐसा कोई भी साधन नहीं था जिसकी सहायता से शीघ्र ही अपने दस्तावेजों को प्राप्त कर सकता हो और अपने परिवार को संभालने में सहायक हो सकता हो।

इन सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज को फिर से तैयार करने और साथ ही अपने परिवार की सहायता करने में उसको बहुत परेशानी भरी परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा था। एक दिन उसको दस्तावेजों को बनवाते मालूम हुआ कि Digilocker जो की भारत सरकार के संचार और आईटी मंत्रालय के द्वारा प्रबंधित एक वेबसाईट आधारित सेवा हैं। जिसके जरिये उपयोगकर्ता जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र जैसे अहम दस्तावेजों को ऑनलाइन सुरक्षित रख सकते हैं। यह सुविधा पाने के लिए बस उपयोगकर्ता के पास भारत सरकार द्वारा प्रद्दत आधार कार्ड होना चाहिए। अपना आधार अंक डाल कर उपयोगकर्ता अपना डिजिलॉकर खाता खोल सकते हैं और अपने जरूरी दस्तावेज़ सुरक्षित रख सकते हैं। एक बार लॉकर में अपने दस्तावेज अपलोड करने के बाद आप कहीं भी अपने प्रमाणपत्र की मूलप्रति के स्थान पर अपने Digilocker की वेब एड्रेस यानी यूआरएल (URL) दे सकते हैं साथ ही सभी दस्तावेज कानूनन वैध होते हैं। जैसे उनकी मूल प्रमाणपत्र की प्रतियां है।

आनंदम को भी याद आया कि उसने भी अपने कॉलेज के समय में अपना Digilocker पर आधार कार्ड से अपना पंजीकरण किया था और अपने शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेजों साथ ही अन्य महतत्वपूर्ण दस्तावेजों को Digilocker पर अपलोड किया हुआ है। इसके बाद आनंदम के द्वारा से शीघ्र ही अपने दस्तावेजों को पुनः प्राप्त कर लिया गया

जिसकी वजह से उसका बहुत समय सरकारी विभागों में प्राय लगने वाली लम्बी कतार में खड़े रहने से बच गया

और वह समय के साथ ही अपने परिवार को संभालने में सहायक रहा जिसकी मदद से वह और उसका परिवार अचानक आयी बाढ़ जैसी भयानक आपदा से निपटने में सक्षम रहा

अगर आनंदम के द्वारा Digilocker पर अपने दस्तावेजों को सुरक्षित रखा नहीं गया होता तो उसको अपने परिवार को संभालने में खासा परेशानी भरी परिस्थिति का सामना करना पड़ता जो कि उनके लिए ठीक नहीं रहता

क्यूंकि वह और उसका परिवार अचानक आयी बाढ़ जैसी भयानक आपदा से प्रभावित हुआ था जिसमें उनका सब कुछ नष्ट हो गया था और फिर से सबकुछ ठीक होने और बाढ़ के कारण पैदा हुए हालातों से उबरने के लिए एक लम्बा सफर तय करना पड़ सकता था